Harit Yug

होली खेलने के लिए प्राकृतिक और जैविक रंगों का उपयोग करें: नीरू मलिक ग्रीनफील्ड पब्लिक स्कूल (द पर्ल) में होली के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

कुरुक्षेत्र (डी.आर.भटनागर/अनुज मुनीन्द्र जोशी) : ग्रीनफील्ड पब्लिक स्कूल (द पर्ल), कुरुक्षेत्र की प्राचार्या नीरू मलिक ने कहा कि होली भारत के सबसे वाइब्रेंट फेस्टिवल्स में से एक है जो 18 मार्च को मनाया जाएगा। ये वाइब्रेंट रंगों, भारतीय मिठाइयों और प्रसिद्ध भांग का आनंद लेने वाला दिन है। इस त्योहार का भारत में बहुत महत्व है और ये प्रासंगिकता का प्रतीक है जो वसंत के आगमन को चिह्नित करने और बुराई पर अच्छाई की जीत का भी प्रतीक है। वे ग्रीनफील्ड पब्लिक स्कूल (द पर्ल) में विद्यार्थियों व शिक्षकों को होली के अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में बोल रही थी। नीरू मलिक ने कहा कि ये त्योहार पूरे देश में बहुत ही उत्सुकता और उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस कलरफुल और वाइब्रेंट फेस्टिवल का हिस्सा बनने के लिए दुनिया भर से लोग भारत आते हैं। ये सामाजिक, पार्टी, हंसी, डांस, ड्रिंक्स, मिठाइयों का आनंद लेने और बहुत सारी खुशी और लोगों में प्यार बांटने का दिन है। इस वर्ष होली खेलने के लिए प्राकृतिक और जैविक रंगों का उपयोग करें। ये आपकी त्वचा को नुकसान नहीं पहुंचाते और न ही पर्यावरण को नुकसान पहुंचाते हैं। प्लास्टिक के गुब्बारे के उपयोग से बचे। गुब्बारे का उपयोग करने से बचें क्योंकि वो प्लास्टिक से बने होते हैं. गुब्बारे भरने का मतलब पानी की बर्बादी भी है। बिना पानी के सूखी होली खेलें। आंतरिक सजावट के लिए फूलों का उपयोग करें। उन्होंने कहा कि इस त्योहार पर अपने घर को सजाने के लिए जैविक फूलों का इस्तेमाल करें और फर्श पर या अपने घर में कहीं भी रंगोली डिजाइन बनाएं। रंगों के साथ होली खेलने के लिए आप फूलों का इस्तेमाल भी कर सकते हैं। होलिका दहन के लिए इको-फ्रेंडली कचरे का उपयोग करें। होलिका दहन करते समय, सुनिश्चित करें कि आप पर्यावरण के अनुकूल कचरे का उपयोग कर रहे हैं, प्लास्टिक का नहीं। आप गोबर, नारियल, लकड़ी जैसे कचरे का उपयोग कर सकते हैं। पर्यावरण को बचाने के साथ-साथ परंपराओं को जीवित रख सकते हैं, जिससे किसी को किसी तरह का कोई नुकसान भी नहीं होगा। इस मौके पर स्कूल के विद्यार्थियों ने डांस कर खूब मस्ती की व एक दूसरे को होली की बधाई भी दी। इस अवसर पर स्कूल के चेयरमैन रोशन लाल गुप्ता, वरूण गुप्ता सहित स्कूल की शिक्षिकाएं व विद्यार्थी मौजूद थे।

Dainik Jagran

ग्रीनफील्ड पब्लिक स्कूल में मनाते बच्चे। ● सौजन्य-स्कूल।

ग्रीनफील्ड पब्लिक स्कूल में मनाई होली

जासं, कुरुक्षेत्र : ग्रीनफील्ड पब्लिक स्कूल में होली का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया। प्रिंसिपल नीरू मलिक ने कहा कि ये वाइब्रेंट रंगों, भारतीय मिठाइयों और प्रसिद्ध भांग का आनंद लेने वाला दिन है। इस त्योहार का भारत में बहुत महत्व है और ये प्रासंगिकता का प्रतीक है, जो वसंत के आगमन को चिह्नित करने और बुराई पर अच्छाई की जीत का भी प्रतीक है। इस दौरान चेयरमैन रोशन लाल गुप्ता, वरुण गुप्ता ने विद्यार्थियों को होली की शुभकामनाएं दी। बच्चों ने रंग लगाकर खुशियां जताई।

Yash Babu

होली खेलने के लिए प्राकृतिक और जैविक रंगों का उपयोग करें : नीरू मलिक

ग्रीनफील्ड पब्लिक स्कूल (द पर्ल) में होली के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

कुरुक्षेत्र, यशबाबू समाचार

ग्रीनफील्ड पब्लिक स्कूल (द पर्ल), कुरुक्षेत्र की प्राचार्या नीरू मलिक ने कहा कि होली भारत के सबसे वाइब्रेंट फेस्टिवल्स में से एक है जो 18 मार्च को मनाया जाएगा। ये वाइब्रेंट रंगों, भारतीय मिठाइयों और प्रसिद्ध भांग का आनंद लेने वाला दिन है। इस त्योहार का भारत में बहुत महत्व है और ये प्रासंगिकता का प्रतीक है जो वसंत के आगमन को चिह्नित करने और बुराई पर अच्छाई की जीत का भी प्रतीक है। वे बुधवार को ग्रीनफील्ड पब्लिक स्कूल (द पर्ल) में विद्यार्थियों व शिक्षकों को होली के अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में बोल रही थी।

नीरू मलिक ने कहा कि ये त्योहार पूरे देश में बहुत ही उत्सुकता और उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस कलरफुल और वाइब्रेंट फेस्टिवल का हिस्सा बनने के लिए दुनिया भर से लोग भारत आते हैं। ये सामाजिक, पार्टी, हंसी, डांस, ड्रिंक्स, मिठाइयों का आनंद लेने और बहुत सारी खुशी और लोगों में प्यार बांटने का दिन है। इस वर्ष होली खेलने के लिए प्राकृतिक और जैविक रंगों का उपयोग करें। ये आपकी त्वचा को नुकसान नहीं पहुंचाते और न ही पर्यावरण को नुकसान पहुंचाते हैं। प्लास्टिक के गुब्बारे के उपयोग से बचे। गुब्बारे का उपयोग करने से बचें क्योंकि वो प्लास्टिक से बने होते हैं. गुब्बारे भरने का मतलब पानी की बर्बादी भी है। बिना पानी के सूखी होली खेलें। आंतरिक सजावट के लिए फूलों का उपयोग करें।

उन्होंने कहा कि इस त्योहार पर अपने घर को सजाने के लिए जैविक फूलों का इस्तेमाल करें और फर्श पर या अपने घर में कहीं भी रंगोली डिजाइन बनाएं। रंगों के साथ होली खेलने के लिए आप फूलों का इस्तेमाल भी कर सकते हैं। होलिका दहन के लिए इको-फ्रेंडली कचरे का उपयोग करें। होलिका दहन करते समय, सुनिश्चित करें कि आप पर्यावरण के अनुकूल कचरे का उपयोग कर रहे हैं, प्लास्टिक का नहीं। आप गोबर, नारियल, लकड़ी जैसे कचरे का उपयोग कर सकते हैं। पर्यावरण को बचाने के साथ-साथ परंपराओं को जीवित रख सकते हैं, जिससे किसी को किसी तरह का कोई नुकसान भी नहीं होगा। इस मौके पर स्कूल के विद्यार्थियों ने डांस कर खूब मस्ती की व एक दूसरे को होली की बधाई भी दी।

दैनिक भास्कर कुरुक्षेत्र भास्कर 18-03-2022

होली खेलने के लिए प्राकृतिक और जैविक रंगों का उपयोग करें : नीरू मलिक

कुरुक्षेत्र | ग्रीनफील्ड पब्लिक स्कूल (द पर्ल), कुरुक्षेत्र की प्राचार्या नीरू मलिक ने कहा कि होली भारत के सबसे वाइब्रेंट फेस्टिवल्स में से एक है। ये वाइब्रेंट रंगों, भारतीय मिठाइयों और प्रसिद्ध भांग का आनंद लेने वाला दिन है। इस त्योहार का भारत में बहुत महत्व है। वे स्कूल में आयोजित होली उत्सव में बोल रही थी। उन्होंने कहा कि इस वर्ष होली खेलने के लिए प्राकृतिक और जैविक रंगों का उपयोग करें। ये ना त्वचा को और ना ही पर्यावरण को नुकसान पहुंचाते हैं। प्लास्टिक के गुब्बारे के उपयोग से बचे।

ग्रीनफील्ड पब्लिक स्कूल (द पर्ल) में होली का पर्व मनाते बच्चे। संवाद